(b) if so, the actions taken against IAS officers for taking dowry; and

(c) the rules of Government to ensure that IAS officers do not violate the Anti Dowry Act?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHR P. CHIDAMBARAM): (a) and (b) While Government has no definite information about IAS officers receiving high rate Of dowry, a group of women has complained to the Minister of State that a number of probationers have been offered or have received dowry. One complaint has also been received from the wife of an IAS probationer, which is being inquired into.

(c) The Conduct rules governing the IAS officers prohibit taking or giving of dowry. Any member of the service violating this rule is liable to disciplinary action. Further, the probationers are now required to give an undertaking that ftiey will not give or take dowryat the time of their marriage.

समुद्र विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति

646. **श्री मिर्जा इर्शादबेग :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि पिछले दो वर्षों के दौरान समुद्र-विज्ञान के क्षेत्र में कितनी प्रगति हुई है तथा इसके विकास के संबंध में भावी योजना क्या है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिक मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा महासागर, विकास, परमाणु ऊर्जा, इलैक्ट्रानिकी और अंतरिक्ष विभागों में राज्य मत्री (श्री के० आर० नारायणन) : सातवीं पचवर्षीय योजना के दौरान समुद्र-विज्ञान के क्षेत्र में जो प्रमुख प्रयास किए गए हैं, वे ये हैं : महासागर विकास के लिए नीति निर्माण, विभिन्न प्रयोगशालाओं, अनुसंधान संस्थाओं, प्रौद्योगिकी सस्थानों में समुद्री विज्ञानों में अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहन और उसका समन्वयन, आर्थिक क्षेत्र के सर्वेक्षण, मानाचत्रण और चित्रण, मछली संपदा की पहचान और मूल्यांकन, अंटार्कटिका अनुसंधान, बहुधात्विक पिंडकाओं के लिए गहरे समुद्र तल का सर्वेक्षण और खोज, ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों का उपयोग; समुद्र वैज्ञानिक अनुसंधान पोतों की प्राप्ति और अपेक्षित जनशक्ति का विकास । इनमें प्रमुख महत्व के क्षेत्र शामिल हैं ।

पिछले दो वर्षों के दौरान इन सभी कार्यक्रमों में यथेष्ठ प्रगति की गई है । बहुधात्विक पिंडिकाओं के विस्तृत सर्वेक्षण और खोज परिणामस्वरूप भारत विश्व का प्रथम देश है जिसे मध्य हिन्द महासागर में 1,50,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का एक खान स्थल आवंटित किया गया है । पिछले दो वर्षों के दौरान अंटार्कटिका को दो अभियान (पांचवा तथा छठा) भेजे गए हैं जो बहुत सफल रहे हैं । इन कार्यक्रमों ने देश की प्रतिष्ठा और कीर्ती को विश्व में यथेष्ठ रूप से बढाया है ।

उपर्युक्त सभी परियोजनाओं में कार्यकलापों को तीव्र करने की विभाग की योजना है ।

द्वारका में खोज कार्य

647. **श्री मीर्जा इर्शादबेग :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात स्थित द्वारका नगर के संबंध में क्या-क्या नई खोज हुई हैं और इस संबंध में क्या-क्या विशेष सूचना प्राप्त हुई है ; और

(ख) इस संबंध में आगे क्या कार्यवाही की जा रही है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा महासागर विकास, परमाणु ऊर्जा, इलैक्ट्रानिकी और अंतरिक्ष विभाग में राज्य मंत्री (श्री के० आर० नारायणन): (क) बेट द्वारका के पास जलमग्न कच्छ